Patrika (Indore), 30th September 2023, Page – 08

तरक्की के पथ पर...

तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में इंदौर तेजी से ले रहा आकार, विकास को लगेंगे पंख

इंदौर आइआइटी के **डायरेक्टर प्रो. सुहास जोशी** ने कहा- कई प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के साथ शिक्षा की गुणवत्ता में तेजी से वृद्धि हुई

इंदौर देश के मध्य क्षेत्र के महत्वपूर्ण व्यावसायिक केंद्रों में से एक है। इंदौर के समृद्धकाल का इतिहास इस बात की पुष्टि करता है कि पुराने दिनों में भी यह महत्वपूर्ण व्यावसायिक केंद्र था, लेकिन आज कॉर्पोरेट फर्म व संस्थानों की स्थापना के साथ इसने देश के व्यावसायिक क्षेत्र में बड़ा नाम कमाया है।

पिछले छह साल से इंदौर देश का सबसे स्वच्छ शहर बन रहा है और स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 के तहत इसे भारत का पहला वॉटर प्लस शहर भी घोषित किया जा चुका है। साथ ही, इसे 100 स्मार्ट शहरों के बीच अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए 2022 का सर्वश्रेष्ठ राष्ट्रीय स्मार्ट सिटी पुरस्कार भी मिला है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2023 के दौरान इसे सबसे स्वच्छ वायु वाला शहर भी घोषित किया गया है। इस तरीके से अधिकांश क्षेत्रों में नाम कमाने वाले इस शहर का विकास होना तय है। आइआइटी, आइआइएम, आरआरकैट, डीएवीवी, आइसीएआर, वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए यूजीसी-डीएई कंसोर्टियम और कई प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों जैसे शैक्षणिक संस्थानों के साथ इस शहर में प्रदान की जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता में तेजी से वृद्धि हुई है। दुनियाभर से प्रतिभाशाली लोग इन संस्थानों से जुड़ने के लिए आ रहे हैं और शहर की शिक्षा के स्तर को बढ़ा रहे हैं।

इससे भी अधिक यह इंदौरवासियों का सौहार्द और जीवंतता है, जो शहर को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है। शहरवासियों का उत्साह और एकजुटता कोविडकाल और हाल ही में हुई तेज बारिश से बिगड़े हालात के दौरान भी नजर आई। इंदौरवासियों ने विपरीत समय में हमेशा बेहतर प्रदर्शन किया है और शहर को हमेशा आगे बढ़ाया है।

आइआइटी में हर क्षेत्र के प्रौद्योगिकियों के तेजी से विस्तार के साथ प्रगति का संतुलन बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। यहां, हम विद्यार्थियों को कम शोध वाले क्षेत्रों पर कार्य करने के लिए प्रशिक्षित करते हैं। चाहे वह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) हो, मशीन लर्निंग हो, इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजी हो, जल संरक्षण हों, वनरोपण हो, बायो साइंस हो..। हम अधिकांश क्षेत्रों में काम कर रहे हैं, जो समाज के सामान्य लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 आने के साथ प्रारंभिक शिक्षण-अध्ययन की प्रक्रिया की प्राचीन पद्धति पर कार्य पूरा कर लिया गया है। अब बीटेक छात्र अत्याधुनिक अनुसंधान, विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सहकार्य, विचारों का आदान-प्रदान, स्टार्टअप पर काम करना, अपने स्वयं के उत्पाद बनाना, वगैरह में बड़े पैमाने पर काम कर रहे हैं। इन सभी का इंजीनियरों की विचार प्रक्रिया पर बहुत ही उपयोगी प्रभाव पड़ रहा है और इस तरह, हम निश्चित रूप से आने वाले समय में तेजी से तकनीकी विकास देखेंगे।

राज्य स्तर पर, हमने अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने, शैक्षिक अवसरों को बढ़ाने और छात्र गतिशीलता को बढ़ावा देने के लिए मध्य प्रदेश सरकार के साथ सहकार्य किया है। इसमें यूजी छात्रों के लिए आइआइटी इंदौर में इन-बाउंड छात्र कार्यक्रम (1वर्ष के लिए), मेधावी (रैंक धारक) छात्रों के लिए मेंटरिंग और इंटर्नशिप (1-3 महीने के लिए) और मप्र में सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों के शिक्षकों के लिए विशेष अंशकालिक पीएचडी कार्यक्रम शामिल हैं। हम एक स्वच्छता प्रौद्योगिकी केंद्र की व्यवहार्यता पर भी काम कर रहे हैं, जो स्वच्छता के क्षेत्र में समस्याओं के व्यवहार्य समाधान प्रदान करने पर काम करेगा। तकनीकी शिक्षा के अलावा हम छात्रों के जीवन कौशल पहल और मूल्य शिक्षा पर भी जोर दे रहे हैं। संस्थान में प्रवेश लेने के समय, छात्रों को शारीरिक प्रशिक्षण सत्र, योग, सुरक्षा प्रशिक्षण, नेतृत्व कौशल के लिए कॉर्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रम, हमारे अपने फैले वनक्षेत्र से ली गई बांस की लकड़ी का पुल बनाने जैसे रचनात्मकता सत्र और कई अन्य टीम निर्माण गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इन समावेशन ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर बहुत सकारात्मक प्रभाव डाला है। युवाओं को कौशल विकास से भी अवगत कराया जा रहा है। अंत में, मैं शहर के लोगों को इसे देश में सबसे अच्छे रहने योग्य स्थानों में से एक बनाने के लिए बधाई देना चाहूंगा और मुझे विश्वास है कि विकास की इस गति के साथ और बेहतरीन कार्य करना अभी भी बाकी है।